# न्यूज़ टुडे

## भारत और ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्रियों ने दूसरा भारत–ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल शिखर सम्मेलन आयोजित किया

- **इस शिखर सम्मेलन के मुख्य निष्कर्षों पर एक नज़र:**
  - दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत **प्रधान मंत्रियों के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर सहमत** हुए।
    - व्यापक रणनीतिक साझेदारी की स्थापना, **वर्ष 2020 में आयोजित प्रथम शिखर सम्मेलन** के दौरान हुई थी।
  - ऑस्ट्रेलिया **स्वच्छ प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष और नवाचार जैसे क्षेत्रों में** सहयोग बढ़ाने के लिए **280 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक का निवेश** करेगा।
    - साथ ही, दोनों देश एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (Comprehensive Economic Cooperation Agreement: CECA) को जल्द से जल्द अंतिम रूप देंगे।
  - **शिखर सम्मेलन के दौरान जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए, उनमें प्रमुख हैं–**
    - भारत के **खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड** और ऑस्ट्रेलिया के **क्रिटीकल मिनरल्स फैसिलिटेशन ऑफिस (CMFO)** के बीच ऑस्ट्रेलियाई क्रिटीकल मिनरल्स परियोजना पर एक समझौता ज्ञापन।
    - प्रवास और आवाजाही के संबंध में लेटर ऑफ इंटेंट (आशय पत्र) पर हस्ताक्षर। इस साझेदारी समझौते से छात्र और पेशेवर लाभान्वित होंगे।
- **भारत–ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के क्षेत्र:**
  - **भू–रणनीतिक (Geostrategic):** दोनों देशों का हिंद–प्रशांत (इंडो–पैसेफिक) क्षेत्र में एक साझा हित है। दोनों एक स्वतंत्र, खुले, समावेशी और समृद्ध हिंद–प्रशांत क्षेत्र की कल्पना करते हैं। इसके आलावा, दोनों देश क्वाड (QUAD) समूह के भी सदस्य हैं।
  - **व्यापार और निवेश:** वर्ष 2020–21 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 12.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था। वर्ष 2020 में दोतरफा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का कुल मूल्य 1.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।
  - **रक्षा (डिफेंस) और सुरक्षा (सिक्यूरिटी) सहयोग:** इसमें शामिल हैं– सामरिक साझेदारी, सुरक्षा सहयोग पर संयुक्त घोषणा–पत्र, असैन्य परमाणु सहयोग समझौता, नियमित सैन्य अभ्यास (जैसे कि AUSINDEX; AUSTRAHIND आदि)।

- इस शिखर सम्मेलन के दौरान, **प्रधान मंत्री मोदी ने भारत को 29 प्राचीन कलाकृतियां लौटाने पर ऑस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री का आभार व्यक्त किया।**
- इन कलाकृतियों में 12वीं शताब्दी की चोल कांस्य प्रतिमा, 11वीं–12वीं शताब्दी की जैन मूर्तियां (राजस्थान), 12वीं–13वीं शताब्दी की बलुआ पत्थर से निर्मित देवी महिषासुरमर्दिनी की मूर्ति (गुजरात) आदि शामिल हैं।

## केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय एड्स और एस.टी.डी. नियंत्रण कार्यक्रम (National AIDS and STD Control Programme: NACP) को वर्ष 2026 तक बढ़ाने की मंजूरी दी

- मंत्रिमंडल ने **NACP के पांचवें चरण को मंजूरी** दी है। इस प्रकार, अब इस कार्यक्रम को **अगले पांच साल (1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2026) तक** जारी रखा जाएगा। यह कार्यक्रम पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।
  - **NACP को वर्ष 1992 में शुरू किया गया था।** उसके बाद से अब तक इसके चार चरणों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।
  - NACP का **पांचवां चरण,** भारत को एड्स महामारी की रोकथाम में और सक्षम बनाएगा। साथ ही, यह चरण **संयुक्त राष्ट्र संघ के सतत विकास लक्ष्य संख्या 3.3** (SDG 3.3) **को प्राप्त करने की दिशा भी में एक कदम है।**
    - ज्ञातव्य है कि SDG 3.3, वर्ष 2030 तक एच.आई.वी./एड्स महामारी को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने की कल्पना करता है।
- NACP को भारत में एच.आई.वी./एड्स की **रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक व्यापक कार्यक्रम** के रूप में लागू किया जा रहा है।
  - समय के साथ, इस कार्यक्रम के स्वरूप में बदलाव किया जाता रहा है। अब **मुख्य बल जागरूकता बढ़ाने की जगह व्यवहार परिवर्तन** पर और राष्ट्रीय स्तरीय उपायों की बजाय विकेन्द्रीकृत उपायों पर दिया जा रहा है। इनके अलावा, गैर–सरकारी संगठनों और एच.आई.वी. पीड़ितों (People Living with HIV: PLHIV) के नेटवर्क की भागीदारी बढ़ाने पर भी बल दिया जा रहा है।
- **NACP को एक सफल कार्यक्रम माना गया है। इसकी पुष्टि निम्नलिखित तथ्यों से होती है:**
  - भारत में **वार्षिक स्तर पर एच.आई.वी. के नए संक्रमणों में 48% की गिरावट** आई है (आधार वर्ष – 2010)।
  - **एड्स से जुड़ी मौतों में** वार्षिक आधार पर **82% की गिरावट** आई है (आधार वर्ष – 2010)।
  - भारत में एच.आई.वी. का **संक्रमण दर कम बना हुआ है।** वयस्कों में एच.आई.वी. की **संक्रमण दर केवल 0.22%** है।

### HIV (ह्यूमन इम्यूनो–डेफिशियेंसी वायरस) और एड्स के बारे में

- एच.आई.वी. एक वायरस है, जो **शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम) पर हमला करता है।** यदि समय पर इसका **उपचार नहीं किया जाता है, तो यह एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डिफिशिएंसी सिंड्रोम) का कारण बन सकता है।**
- यह व्यक्ति के **इम्यून सिस्टम को टारगेट करता है।** इसके चलते कई संक्रमणों एवं कुछ प्रकार के कैंसर के खिलाफ **लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है।** जबकि, ऐसे संक्रमणों से केवल मजबूत इम्यून सिस्टम वाले लोग ही निपट सकते हैं।
- मुख्य रूप से **एच.आई.वी. से पीड़ित व्यक्ति के कुछ बॉडी फ्लुइड्स (शारीरिक तरल पदार्थों) के संपर्क में आने से यह वायरस फैलता है।** ये बॉडी फ्लुइड्स हैं– रक्त, सीमेन, प्री–सीमेन फ्लुइड, रेक्टल फ्लुइड (मलाशय के तरल पदार्थ) आदि।

## सरकार ने क्रिप्टो टैक्स प्रावधानों पर अपना पक्ष स्पष्ट किया

- वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि **वर्चुअल डिजिटल एसेट (VDA) के हस्तांतरण से होने वाले नुकसान को** दूसरे VDA से होने वाली आय या लाभ के साथ **सेट–ऑफ (समायोजित) करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।** दूसरे शब्दों में, **VDA से होने वाले किसी भी घाटे को लाभ के साथ सेट–ऑफ नहीं किया जा सकेगा।**
  - **वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (VDAs)** का आशय क्रिप्टोग्राफिक माध्यमों या किसी अन्य माध्यम से जनरेटेड इंटर आलिया कोड या नंबर या टोकन या इनफॉरमेशन से है। ऐसे एसेट्स का **इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्तांतरण, भंडारण या व्यापार** किया जा सकता है।
  - इसके अलावा वर्चुअल डिजिटल एसेट्स में **नॉन फंजीबल टोकन्स यानी NFTs** या इसी तरह के अन्य टोकन भी शामिल होते हैं।
- वित्त मंत्रालय ने यह भी कहा कि VDAs के मामले में **माइनिंग की लागत को अधिग्रहण (acquisition) की लागत के रूप में नहीं माना** जाएगा।
  - माइनिंग वस्तुतः **क्रिप्टो टोकन जेनरेट** करने की एक प्रक्रिया है।
- सरकार **क्रिप्टोकरेंसी को GST कानून के तहत वस्तुओं या सेवाओं के रूप में वर्गीकृत करने** पर कार्य कर रही है। इससे लेन–देन के पूरे मूल्य पर कर लगाया जा सकेगा।
  - वर्तमान में, केवल क्रिप्टो एक्सचेंज द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर 18 प्रतिशत GST लगाया जाता है। इन सेवाओं को **वित्तीय सेवाओं के रूप में वर्गीकृत** किया गया है।

- क्रिप्टोकरेंसी (जैसे कि बिटकॉइन, एथेरियम, रिप्पल आदि) **डिजिटल या आभासी मुद्राएं** हैं। इन्हें जेनरेट करने के लिए **एन्क्रिप्शन तकनीक का उपयोग** किया जाता है। इस तकनीक का प्रयोग क्रिप्टोकरेंसी यूनिट्स के जेनेरेशन और फण्ड ट्रांसफर को विनियमित करने के लिए किया जाता है। क्रिप्टोकरेंसी पर किसी **सेंट्रल बैंक का कोई नियंत्रण नहीं** होता है।
  - प्रत्येक क्रिप्टोकरेंसी का नियंत्रण **ब्लॉकचेन नामक डिस्ट्रिब्यूटेड बहीखाता तकनीक** के माध्यम से किया जाता है।
    - ब्लॉकचेन एक साझा व अपरिवर्तनीय बहीखाता है। यह एक व्यवसाय नेटवर्क में सभी लेन–देन को रिकॉर्ड करने और संपत्तियों को ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करता है।

- ज्ञातव्य है कि 2022–23 के बजट में **क्रिप्टोकरेंसी को टैक्स नेट (यानी कर जाल) के दायरे में लाये जाने की घोषणा की गयी थी। इस बजट में निम्नलिखित घोषणाएं की गई थीं:**
  - वर्चुअल डिजिटल एसेट्स (क्रिप्टोकरेंसी सहित) से होने वाली **किसी भी आय पर 30 प्रतिशत की दर से कर** लगाया जाएगा।
  - वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के ट्रान्सफर के दौरान एक सीमा से अधिक के लेन–देन पर 1 प्रतिशत TDS लगेगा।

## संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट (United Nations World Water Development Report: UN WWDR 2022) जारी की गयी है

- यह रिपोर्ट **"ग्राउंडवाटर: मेकिंग द इनविजिबल विजिबल" (भूजल: अदृश्य को दृश्यमान बनाना)** नामक शीर्षक से जारी की गयी है।
- इस रिपोर्ट में **भूजल के विकास, प्रबंधन और गवर्नेंस से जुड़ी चुनौतियों एवं अवसरों का वर्णन** किया गया है।
  - यह रिपोर्ट **यू.एन.–वाटर** की ओर से **यूनेस्को** द्वारा जारी की जाती है। **यू.एन.–वाटर** जल और स्वच्छता के मुद्दों पर कार्य कर रहे संयुक्त राष्ट्र के संस्थानों एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रयासों का समन्वय करता है।

**विश्व के कुछ बड़े जलभृतों (Aquifers) में भूजल स्तर में गिरावट**

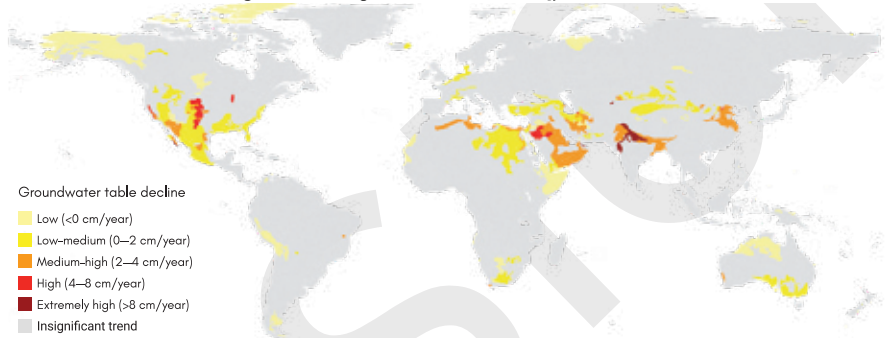


नोट: भूजल स्तर में गिरावट, अध्ययन अवधि (1990–2014) के दौरान भूजल स्तर में औसत वार्षिक गिरावट को दर्शाती है।

- **इस रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्षों पर एक नज़र:**
  - वर्तमान में वैश्विक आबादी **घरेलू उपयोग के लिए भूजल के लगभग 50 प्रतिशत भाग का उपयोग** कर रही है।
  - इसी प्रकार, **सिंचाई के लिए भूजल के लगभग 25 प्रतिशत भाग का उपयोग** किया जा रहा है।
  - दुनिया भर में लगभग **चार अरब लोग ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं,** जहां साल में कम–से–कम एक महीने के लिए **जल का गंभीर संकट बना रहता है।**
  - भूजल के विकास से सिंचित क्षेत्रों का विस्तार होगा। इससे कृषि उपज में बढ़ोतरी होगी और फसल विविधता में भी सुधार होगा।
    - इस प्रकार, **भूजल का विकास आर्थिक वृद्धि के लिए एक मुख्य स्रोत के रूप में भी** कार्य करेगा।
  - भारत, **विश्व में भूजल का सबसे अधिक उपयोग करने वाला देश** है। इस मामले में, भारत के बाद चीन और पाकिस्तान का स्थान है।
  - चीन, भारत, ईरान, पाकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका लगभग **70% अनसस्टेनेबल वाटर फुटप्रिंट** के लिए जिम्मेदार हैं।
    - **वाटर फुटप्रिंट वस्तुतः** उत्पादों और/या सेवाओं के उत्पादन में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से उपयोग किए जाने वाले ताजे जल का एक माप है।
- **इस रिपोर्ट में की गयी मुख्य सिफारिशें:**
  - निगरानी के लिए **भूजल डेटा एकत्र किया जाना चाहिए।**
  - भूजल प्रदूषण को रोकने के लिए **पर्यावरण से जुड़े विनियमों को मजबूत किया जाना चाहिए।**
  - **श्रम बल, सामग्रियों और वित्तीय संसाधनों को मजबूत करने की जरूरत है।** संस्थानों तथा स्थानीय और राष्ट्रीय सरकार में कर्मचारियों के बीच भूजल पेशेवरों की संख्या बढ़ाकर ऐसा किया जा सकता है।
  - **भूजल विभागों/एजेंसियों का वित्तपोषण और उन्हें सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है।**

## विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) ने सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एडमिशन के लिए कॉमन एंट्रेंस टेस्ट अनिवार्य कर दिया है

- मीडिया के साथ वर्चुअली बातचीत के दौरान, **यू.जी.सी. के अध्यक्ष ने निम्नलिखित बातें कहीं:**
  - केंद्रीय विश्वविद्यालयों के **सभी स्नातक (अंडर ग्रेजुएट) पाठ्यक्रमों में एडमिशन अब केवल कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET) में प्राप्त अंकों के आधार पर** होगा।
  - CUET, अगले शैक्षणिक सत्र (2022–23) से आयोजित किया जाएगा।
    - किसी भी केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक कोर्स में प्रवेश के लिए **12वीं कक्षा के अंकों को कोई वेटेज नहीं दिया जाएगा।**
  - CUET का आयोजन **नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA)** करेगी। यह टेस्ट स्नातक और परास्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट), दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होगा।
  - उल्लेखनीय है कि **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट** के माध्यम से विश्वविद्यालयों में एडमिशन के लिए परीक्षाओं के आयोजन की कल्पना की गयी है।
    - हालांकि, स्नातक पाठ्यक्रमों के विपरीत, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों में **CUET के माध्यम से प्रवेश अनिवार्य नहीं** किया गया है।
    - नेशनल टेस्टिंग एजेंसी **एक स्वायत्त और शीर्ष टेस्टिंग ऑर्गेनाईजेशन है।** इसे उच्चतर शिक्षा के प्रमुख संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित करने हेतु गठित किया गया है। इसकी स्थापना **सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860** के तहत की गयी है।
  - CUET, कम्प्यूटर–बेस्ड एग्जाम होगा। इसके तहत एक **उम्मीदवार द्वारा चुनी गयी भाषा में टेस्ट** लिया जाएगा। इस टेस्ट में **विषय–आधारित ज्ञान और सामान्य रुचि** (जैसे कि सामान्य ज्ञान, करंट अफेयर्स आदि) का परीक्षण किया जायेगा।
  - **CUET का आयोजन 13 भाषाओं होगा।** ये 13 भाषाएं हैं– अंग्रेजी, हिंदी, गुजराती, असमिया, बंगाली, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू।
- इस पहल का उद्देश्य अलग–अलग प्रवेश परीक्षाओं के स्थान पर एकल प्रवेश परीक्षा का आयोजन करना है। **इससे उच्चतर शिक्षा में प्रवेश के इच्छुक छात्रों पर परीक्षा के बोझ को कम किया जाएगा।**

# सेमिकंडक्टर चिप निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) की "चिप सेक्टर प्लान"

- सेमिकंडक्टर चिप के निर्माण में आत्मनिर्भर बनने के लिए MeitY, चुनिंदा **सरकारी वित्त पोषित उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ बातचीत** कर रहा है, ताकि ये संस्थान इस क्षेत्र में आवश्यक ट्रेनिंग दे सकें।
- इसके तहत **5 से 6 हजार रिसर्च स्कॉलर्स और 2.5 लाख जूनियर इंजीनियर्स** को सेमिकंडक्टर चिप निर्माण के लिए प्रशिक्षण देने की योजना है। इसका उद्देश्य एक **त्रिस्तरीय योजना के माध्यम से सेमीकंडक्टर कंपनियों के लिए प्रतिभावान कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित** करना है। इस **त्रिस्तरीय योजना** में शामिल हैं–
  - विनिर्माण और निर्माण की प्रक्रिया एवं डिजाइन घटकों के लिए **अनुसंधान स्कॉलर्स।**
  - विनिर्माण क्षमता बढ़ाने हेतु **VLSI प्लांट के लिए इंजीनियर्स।**
    - **वेरी लार्ज–स्केल इंटीग्रेशन (VLSI)** वस्तुतः एकल सिलिकॉन सेमीकंडक्टर माइक्रोचिप पर हजारों ट्रांजिस्टर्स को एकीकृत या एम्बेड करने की प्रक्रिया है।
  - प्लांट एवं शॉप फ्लोर, मैन्युफैक्चरिंग और टेस्टिंग के लिए **कुशल कार्मिक।**
- भारत, सेमिकंडक्टर चिप के मामले में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को कम करने के लिए प्रयास कर रहा है। साथ ही, यह रणनीतिक आवश्यकताओं (रक्षा और बिजली जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के लिए), आकर्षक बाजार, आयात बिल को कम करने आदि के लिए भी **सेमीकंडक्टर विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देने हेतु प्रयास** कर रहा है।
- **सेमीकंडक्टर चिप के विनिर्माण में आने वाली चुनौतियाँ:** चिप विनिर्माण की अत्यधिक जटिल प्रक्रिया, बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता, कुशल कार्यबल की कमी, विशेष कच्चे माल की आवश्यकता, आदि।
- **आरंभ की गई पहलें:**
  - **सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले एकोसिस्टम के संपूर्ण विकास के लिए व्यापक कार्यक्रम आरंभ किया गया है।** इसमें इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM), सेमीकंडक्टर फैब्स और डिस्प्ले फैब्स की स्थापना की योजना, आदि शामिल हैं।
  - सेमीकंडक्टर्स और इसके घटकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए **डिजाइन से संबद्ध प्रोत्साहन (DLI) योजना** आरंभ की गयी है।
  - देश में सेमीकंडक्टर वेफर फैब्रिकेशन विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना पर एक **अधिकार प्राप्त समिति** गठित की गयी है।

## अन्य सुर्खियाँ

### युक्तियुक्त सुविधाएं (Reasonable Accommodation)

- हाल ही में, हिजाब पहनने के मुद्दे पर कर्नाटक हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्णय पर यह तर्क दिया जा रहा है कि न्यायालय ने **'युक्तियुक्त सुविधाओं' के सिद्धांत की अनदेखी की है।**
- **युक्तियुक्त सुविधाओं (Reasonable Accommodation) के बारे में:**
  - "युक्तियुक्त सुविधा" एक सिद्धांत है, जो **समानता को प्रोत्साहित करता** है और **सकारात्मक अधिकार** प्रदान करने में सक्षम बनाता है। साथ ही, यह **अक्षमता, स्वास्थ्य स्थिति या व्यक्तिगत आस्था के आधार पर भेदभाव** को रोकता है।
  - सामान्यतः इस सिद्धांत के अनुसार, लोगों को युक्तियुक्त सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए, जब तक कि **ऐसी सुविधाओं के कारण कोई अनुचित कठिनाई न हो।**
  - इसका उपयोग मुख्य रूप से **दिव्यांगता संबंधी अधिकारों** के विषय में किया जाता है।
    - भारत में, **दिव्यांगजन अधिकार कानून, 2016** में "युक्तियुक्त सुविधाओं" को परिभाषित किया गया है।

### पद्म पुरस्कार 2022 (Padma Awards 2022)

- पद्म पुरस्कारों की शुरुआत वर्ष 1954 में की गयी थी। ये पुरस्कार **भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं।** इनकी घोषणा प्रतिवर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।
- **पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए जाते हैं:**
  - **पद्म विभूषण** (असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए)।
  - **पद्म भूषण** (उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए)।
  - **पद्म श्री** (विशिष्ट सेवा के लिए)।
- **एक वर्ष में दिए जाने वाले पुरस्कारों की कुल संख्या** (मरणोपरांत पुरस्कारों और NRI/विदेशियों/OCI को छोड़कर) **120 से अधिक नहीं** होनी चाहिए।
- पुरस्कार विजेताओं को **राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक सनद** (प्रमाण–पत्र) और एक पदक प्रदान किया जाता है। पद्म पुरस्कार में **कोई नकद राशि प्रदान नहीं की जाती है।**

### एक्वामैप (AquaMAP)

- एक्वामैप, एक नया **जल प्रबंधन और नीति संबंधी केंद्र** है। इसका उद्घाटन हाल ही में IIT मद्रास में किया गया था।
  - IIT मद्रास **"जल सुरक्षा और कृषि जीविका के लिए डेटा विज्ञान"** (Data Science for Water Security and Agriculture Sustenance) के विषय पर **IIT धारवाड़** के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।
- एक्वामैप का उद्देश्य **स्मार्ट और बेहतर जल प्रबंधन प्रथाओं की रूपरेखा तैयार** करना **एवं उन्हें क्षेत्र में (गांवों और कस्बों में) लागू करके** जटिल और चुनौतीपूर्ण जल समस्याओं का समाधान प्रदान करना है।
- **एक्वामैप की अन्य प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं:**
  - जल/अपशिष्ट प्रबंधन में मौजूद बड़ी चुनौतियों की पहचान करना।
  - एक अत्याधुनिक जल–सूचना विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना करना।

### सुर्खियों में जी.आई. टैग (GI tag in news)

- **"काला नमक" चावल:**
  - इसका यह नाम **काली भूसी** के कारण इसके रंग (काला) और **हल्के नमकीन** स्वाद के आधार पर रखा गया है। इसे चावल की बेहतरीन किस्मों में से एक माना जाता है।
  - यह एक **गैर–बासमती सुगंधित चावल की किस्म है।** इसकी खेती मुख्य रूप से **उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र** में की जाती है।
  - **यह धान की फसल में होने वाले रोगों** जैसे कि पैनिकल ब्लास्ट, स्टेम रोट और ब्राउन स्पॉट के लिए **अत्यधिक प्रतिरोधी (resistant)** है।
  - बासमती की तुलना में काला नमक चावल की कृषि में कम जल की आवश्यकता होती है।
  - इसे **"बुद्ध के महाप्रसाद"** (भगवान बुद्ध को एक चढ़ावा) के रूप में भी जाना जाता है।
  - बौद्ध देशों में इसके प्रचार के लिए **"बुद्धा राइस"** के रूप में इसकी री–ब्रांडिंग की गई है।

## एक्सोमार्स (ExoMars)

- यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने **'एक्सोमार्स 2022'** मिशन को **इस वर्ष सितंबर में लॉन्च नहीं करने का निर्णय लिया है।** यह निर्णय यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा **रूस के अंतरिक्ष कार्यक्रम 'रोस्कोस्मोस' के साथ सभी सहयोग को निलंबित करने के बाद** लिया गया है।
  - एक्सोमार्स मिशन का उद्देश्य **मंगल ग्रह पर जीवन के अस्तित्व से जुड़े प्रश्न का समाधान खोजना है।**
  - इसके दो भाग हैं:
    - पहले भाग में वर्ष 2016 में **एक ऑर्बिटर और एक लैंडर** को लॉन्च किया गया था, लेकिन लैंडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।
    - इसके दूसरे भाग के रूप में, सितंबर 2022 में **मंगल ग्रह पर एक रोवर** को पहुंचाया जाना था।

## फॉर्मेल्डिहाइड (Formaldehyde)

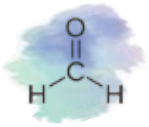

- **यूनाइटेड किंगडम** के एक कलाकार ने कुछ विवादास्पद कलाकृतियाँ बनाई हैं, जैसे– **मृत जानवरों के साथ फॉर्मेल्डिहाइड मूर्तियों की श्रृंखला।**
- **फॉर्मेल्डिहाइड के बारे में:**
  - यह कमरे के तापमान पर एक **रंगहीन व ज्वलनशील** गैस है। इसमें तेज गंध होती है।
  - **यह निम्नलिखित में पाई जाती है:** मिश्रित लकड़ी के उत्पादों के निर्माण में प्रयोग होने वाले **रेजिन, भवन निर्माण सामग्री** और इन्सुलेशन, **घरेलू उत्पादों** जैसे कि पेंट, **उर्वरक और कीटनाशकों, ईंधन का दहन करने वाले उपकरणों** (जैसे कि गैस स्टोव) से उत्सर्जित गैसों, सिगरेट के धुएं आदि।
  - **प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव:** यह त्वचा, आंख, नाक और गले में जलन पैदा कर सकती है।

## किंझल (Kinzhal)

- रूस ने यूक्रेन में पहली बार **"किंझल मिसाइलों"** के इस्तेमाल का दावा किया है।
- किंझल का अर्थ **खंजर** है। यह हवा से लॉन्च की जाने वाली एक हाइपरसोनिक मिसाइल है। इसकी अनुमानित रेंज 1,500–2,000 कि.मी. है। यह मिसाइल 480 किलोग्राम का परमाणु पेलोड ले जाने में सक्षम है।
  - हाइपरसोनिक गति से तात्पर्य ध्वनि की तुलना में **पांच गुना तीव्र गति** से है।
- हाइपरसोनिक हथियारों को आमतौर पर **तीव्र, कम ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले और अत्यधिक गतिशील** हथियारों के रूप में परिभाषित किया जाता है। इन हथियारों को बहुत तेज और फुर्तीले होने के लिए डिज़ाइन किया जाता है ताकि ये पारंपरिक मिसाइल रक्षा प्रणालियों की पकड़ में ना आ सकें।

## संथाल (Santhal)

- पहली बार, **भारतीय संविधान का संथाली लिपि "ओल चिकी" में अनुवाद** किया गया है।
  - **92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003** द्वारा संथाली को बोडो, डोगरी और मैथिली भाषाओं के साथ **आठवीं अनुसूची** में शामिल किया था।
- **संथाल समुदाय के बारे में:**
  - संथाल समुदाय के लोग **असम, त्रिपुरा, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड** सहित कई राज्यों में निवास करते हैं।
  - इस समुदाय के लोग **संथाली भाषा** बोलते हैं। यह भाषा **ऑस्ट्रो–एशियाई भाषाओं के सब–फैमिली के 'मुंडा समूह' से संबंधित है।**
  - संथाल समुदाय के लोग **रंगीन दीवारों, फर्श और कलात्मक रूप से नक्काशीदार दरवाजों** वाले अपनी **आवास वास्तुकला** के लिए जाने जाते हैं।
  - इनका प्राथमिक व्यवसाय **स्थायी कृषि (Settled Agriculture)** है।

## नवरोज़ (Navroz)

- प्रधान मंत्री ने देशवासियों को नवरोज़ के अवसर पर बधाई दी है।
- **नवरोज़ या पारसी नव वर्ष** को लोकप्रिय रूप से **'पटेती'** के रूप में जाना जाता है। इसका अर्थ है – **नया दिन** और यह **वसंत की शुरुआत का प्रतीक** है।
- पारसी कैलेंडर की शुरुआत करने वाले फारस के राजा जमशेद के नाम पर इसे **"जमशेदी नवरोज"** के नाम से भी जाना जाता है।
- **भारतीय नागरिक इसे वर्ष में दो बार मनाते हैं।** पहला, ईरानी कैलेंडर के अनुसार और दूसरा, शाहीन शाही कैलेंडर के अनुसार।
- इसे वर्ष 2016 में **यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची** में शामिल किया गया था।

## मारियुपोल (Mariupol)

- यूक्रेन ने बंदरगाह शहर **मारियुपोल में समर्पण करने की रूस की मांग को ठुकरा दिया है।**
- **मारियुपोल का सामरिक महत्व:**
  - यह **अज़ोव सागर** पर स्थित **सबसे बड़ा यूक्रेनी बंदरगाह** है।
  - रूस इसे अपना एक **महत्वपूर्ण स्ट्रेटेजिक टारगेट** मान रहा है, क्योंकि यह **क्रीमिया और रूस समर्थित अलगाववादियों** के कब्जे वाले **पूर्वी यूक्रेन** के क्षेत्रों के बीच एक सेतु का निर्माण करेगा। इससे **लोगों की आवाजाही और रसद–आपूर्ति** आसान हो जाएगी।

## लामित्ये–2022 (LAMITIYE–2022)

- यह **इंडियन आर्मी** और **सेशेल्स डिफेन्स फोर्सेज** के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।